ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़

Postal Regd. No.:MNW/308/2016-

वर्ष : ०५ | अंक : ०१ | मुंबई, शुक्रवार, ७ दिसंबर से १३ दिसंबर २०१८ RNI No. : MAHHIN/2014/59999 | पृष्ठ : ४ | मूल्य : २/- रुपये

राम जन्मभूमि फिल्म की रिलीज़ पर मुंबई उच्च न्यायालय ने लगाई रोक

यूट्यूब से फिल्म के ट्रेलर हटाने के आदेश

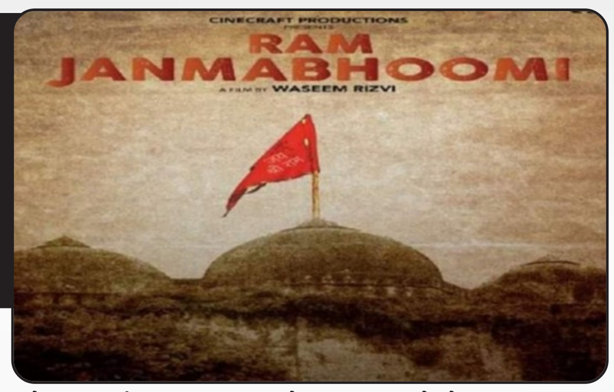

इस्माईल खान

यू.पी. शिया वक़्फ़ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिज़वी की विवादित फिल्म 'राम जन्मभूमि ' के खिलाफ दायर याचिका पर मुंबई उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति भूषण धर्माधिकारी व न्यायमूर्ति सारंग कोटवाल की डिवीजन बेंच ने जारी किया आदेश। रिज़वी को फिल्म की रिलीज़ और पदोन्नति (प्रमोशन) करने से न्यायलय ने रोक लगा दी है. सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफिकेशन (सी.बी.एफ.सी.) के अध्यक्ष और सी.इ.ओ द्वारा फिल्म की मंज़ूरी और प्रमाणीकरण के बगैर, फिल्म का पदोन्नति (प्रमोशन) भी नहीं कर सकेंगे रिज़वी.

सोशल मीडिया के तालुक से भी मुंबई उच्च न्यायालय ने आदेश जारी किये है कि यू-ट्यूब पे से भी 'राम जन्मभूमि ' फिल्म के ट्रेलर को निकला जाए.

बता दे के 'राम जन्मभूमि 'फिल्म के खिलाफ, पुणे से सामाजिक कार्यकर्ता अज़हर तम्बोली ने वकील हसनैन काज़ी, वकील राइद काज़ी, वकील. हाफिज काज़ी के माध्यम से मुंबई उच्च न्यायालय से गुहार लगायी थी. याचिका में कहा गया था की 'फिल्म के ट्रेलर में इस्लाम के पांचवे खलीफा हज़रात मुआविया (र .अ) के खिलाफ अपशब्द का इस्तेमाल किये गए है. ससुर द्वारा बहु के साथ हमबिस्तरी को इस्लाम का तरीका बताया गया है. एक हफ्ते से सोशल मीडिया पे इस फिल्म का ट्रेलर वायरल हो रहा था,

(शेष पृष्ठ ३ पर)

ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़ : बेबाकी' और 'हकीकत' की पांचवीं वर्षगांठ

एक लम्बे समय, पांच वर्ष पूर्व कुछ ऐसे ही जज्बे के साथ विचारों की प्रसव-वेदना के बाद देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 'ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़' का जन्म हुआ. अपार सुखद अनुभूति के बीच 'पीड़ा' क्षणभंगुर साबित हुआ. हाँ, बाल्यावस्था के शुरू के वर्षों में जरूर महसूस हुआ कि जन्म देना आसान होता है लेकिन पालना कठिन. बावजूद यह सफर जारी रहा.

आज 'ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़' की पांचवीं वर्षगाँठ पर आप सुधि पाठकों को 'ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़' परिवार की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं. यह आपके हौसलाअफजाई का ही परिणाम था कि जब भी हम लड़खड़ाए, आपने दो कदम आगे बढ़कर अपने दामन का सहारा दिया. हम यह कतई नहीं भुला सकते कि आप सभी ने हमें अंगुली पकड़ कर न केवल चलना सिखाया बल्कि 'सच'की राह भी दिखाई और 'सफेदपोशों' की पहचान भी कराई. उन तमाम सहयोगी मित्रों को कोटिशः धन्यवाद जिन्होंने अपनी अमूल्य लेखनी से ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़ का सम्मान बढ़ाया.

आने वाला वर्ष, चुनौतियों से भरा होगा, ऐसा हम मानते हैं. खुद अपने पैरों पर खड़ा होना आसान नहीं होता है. समाज की अपेक्षाएं भी बढ़ेगी तो नकाबपोशों से चुनौतियाँ भी मिलेंगी. इन तमाम बाधाओं के बीच 'शुचिता' के साथ धर्म का पालन करना भी हमारी प्राथमिकता होगी. ऐसे में हम आपके निरंतर सहयोग की अपेक्षा रखते हैं.

स्नेहीजन ! वक्त निश्चित ही करवट बदल रहा है और हालात तेजी से बदल रहे हैं. बदलते वक्त के आईने में अगर'पत्रकारिता' क्षेत्र को देखें तो निराशा ही मिलती है. पत्रकारिता के तेवर ढीले हो रहे हैं और कलम की लेखनी कुन्द हो रही है. निश्चय ही यह वक्त की सबसे बड़ी बिडम्बना है. इस बात से हम पूरी तरह सहमत हैं कि 'पत्रकारिता स्वतंत्र नहीं है'. यहाँ 'चमचागिरी' और 'विज्ञापन'के बोझ तले बेबाकी, स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति और सच दब कर रह गया है और पत्रकारिता एक 'बाजारूपेशा' बन कर रह गया है.

हमें यह कहते ज़रा भी संकोच नहीं हो रहा है कि समय के साथ पत्रकारिता जगत से जुड़े बहुत सारे लोगों की छवि महज 'दलाल' की बनकर रह गयी है. 'पेडन्यूज' की वजह से अखबारों की छवि क्या है किसी से छुपी हुई नहीं है. सनसनी परोसने के आदी हो चुके देश के कई न्यूज पोर्टल और इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया की छवि दांव पर है. इस क्षेत्र में काम कर रहे पत्रकार बंधु समाचार और विज्ञापन के दो पाट के बीच किस तरह पिस रहे हैं यह सर्वविदित है. प्रबंधन का बढ़ता शिकंजा और जारी शोषण पत्रकारों की क्या हालत बना दी है, यह शायद ही किसी से छुपी हुई नहीं है. जाहिर है पत्रकारिता के इस संक्रमण दौड़ से गुजरते हुए आपकी शुभकामना ही ऐसा संबल है जो हमें पत्रकारिता धर्म से विमुख नहीं होने दे रही है.

हमारे इस सफर में वरिष्ठ पत्रकार सय्यद फिरोज अशरफ, राशिद आजमी (ऑल इंडिया मिल्ली कौंसिल, मुंबई अध्यक्ष), मंसूर उमर दरवेश (समाजसेवक), एड. राज यादव, जावेद पटेल (मुंबई हेडलाईन्स संपादक), संतोष तिवारी (वरिष्ठ पत्रकार), शाईस्ता शाह, आसिफ खान, एम.आर.शेख, इस्माईल खान, जाफर शेख, शाहीन सय्यद, सुमन मौर्या, मोहसिन खान, रहमान शाह (भाजपा कार्यकर्ता) सहित कई मान्यवरों का भरपूर सहयोग मिलता रहा है और आगे भी मिलता रहेगा ऐसा हम उम्मीद करते हैं।

'मैं अकेला चला था जानिब-ए-मंज़िल, लोग आते गए और कारवाँ बनता गया'. स्पष्ट है पांच वर्ष के सफर में लाखों पाठकों से जुड़ने की बड़ी उपलब्धि है. लेकिन हम मानते हैं कि सितारों से आगे भी जहाँ है. आपका विश्वास मिलता रहा तो शीघ्र ही हम साप्ताहिक अखबार से दैनिक अखबार बनकर पाठकों के बीच अपनी अनोखी छवि बनाने में कामयाब होंगे. आपसे आग्रह है कि आप हमें 'सच' का आईना दिखाते रहें ताकि हम इस 'बाजार' में खुद को बिकने से बचा सकें. आप सुधि पाठकों को हम विश्वास दिलाना चाहेंगे कि 'बेबाकी' और 'हकीकत' हमारा हथियार है इसीलिए हमारा मूलमंत्र है - ''ज़ुल्म के खिलाफ़ आवाज़ - आम आदमी की आवाज़, सदैव आपके साथ...

'मैं बेपनाह अंधेरों को सुबह कैसे कहूँ,
मैं इन नजारों का अंधा तमाशबीन नहीं,'
पुनः पांचवीं वर्षगाँठ की शुभकामनाएं सहित

- असगर शाह (संपादक)

समता नगर पुलिस ने किया एटीएम लूटने वाले लुटेरों को गिरफ्तार

शाईस्ता शेख

मुंबई - पिछले महीने २२ नवंबर दोपहर के वक्त कांदिवली के लोखंडवाला स्थित विजया बैंक में बैंक कर्मचारी कैश लोड करने आए थे। वही एक्टिवा बाइक पर सवार तीन अज्ञात व्यक्ति ने पिस्तौल की नोक पर कॅश वैन से कॅश लोड करने जा रहे कर्मचारियों से छीनाझपटी करने लगे जब कर्मचारियों ने इसका विरोध किया तो अज्ञात अपराधियों ने पिस्तौल देखा कर बैंक कर्मचारी को धमकाने लगे कॅश वैन में मौजूद गन मैन ने जब इसका विरोध किया तो मौके से तीनों अज्ञात अपराधि फरार हो गए! ये पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई और जमकर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। वारदाद के बाद कॅश वैन कर्मचारी ने कांदिवली के समता नगर पुलिस स्टेशन में जाकर तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई।

विभाग १२ के पुलिस उपायुक्त विनय कुमार राठोड ने पत्रकारों से बातचीत करते हुवे कहा के मामले की जानकारी मिलते ही हम ने मामला समतानगर पुलिस स्टेशन में दर्ज किया और अपराधी को पकड़ने के लिए २ पुलिस दस्ता नियुक्त किया! जानकारी के आधार पर पुलिस के एक दस्ते को उत्तर प्रदेश रवाना किया गया ,उत्तर प्रदेश से पुलिस को सफलता प्राप्त हुवी और ३ में से एक अपराधी मुहम्मद निराले को पुलिस ने इलाहबाद जिला मुज़फ्फरपुर से गिरफ्तार कर मुंबई लाया!

गिरफ्तार आरोपी मुहम्मद निराले से जब पुलिस ने पूछताछ की तो उस ने अपना गुनाह कबूल कर लिया और अपने बाकी के साथियो के बारे में जानकारी दी , पुलिस को फिर एक बार सफलता प्राप्त हुई फरार चल रहे दो आरोपी शिवम उर्फ मोनू सुशील मिश्र को गिरफ्तार कर लिया, वही तीसरा आरोपी गिलफ्रीड अन्थोनी मेनेजेस (४५) को दहिसर से गिरफ्तार कर लिया गया तीनो आरोपियों से पुलिस की पूछताछ में तीनों ने अपना गुनहा कबूल कर लिया तीनो आरोपियों के पास से पुलिस ने १ देसी कटा १ पिस्तौल १४ जिन्दा कारतूस और चोरी की दो बाइक बरामद कर लिया!

ठाणे पुलिस की मोबाइल चोरों पर बड़ी कार्यवाही, मोबाईल मिलने पर जनता में काफी खुशी का माहौल

ठाणे : मिली जानकारी के अनुसार ठाणे शहर में मोबाइल चोरी की बढ़ती वारदात को देखते हुए, ठाणे पुलिस उपायुक्त विभाग १ के डॉ. डी.एस .स्वामी, ने मोबाइल चोरों को पकड़ने के लिए विशेष पुलिस दस्ता बनाया. ठाणे पुलिस उपायुक्त विभाग १ के डॉ. डी.एस .स्वामी के मार्गदर्शन में सह. पुलिस निरीक्षक/ ए.आर . भंडारे, पुलिस उपनिरीक्षक/ जी.ए.केकाण, पोशी/ समाधान माळी, पोना /१६५७ आकाश जाधव, पोना /६४९६, एस.ई.चौहान,पोशी/ २०९४,पि.बी.गाडेकर, पोना६४६० वरघड़े, पोहवा/ हिवाळकर, पोहवा/ ४४८८ एस .टी.कदम, पोहवा/ ६२७७ सावंत, कड़ी मेहनत करके ३ महीने में ठाणे पुलिस विभाग १ के अंतर्गत चोरी हुए मोबाइल के आई.एम्,इ,आई. नंबर की जांच पड़ताल कर ५,१०,०००/- की राशि के ५१ मोबाइल फोन बरामद कर, ६ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.१) ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.१५२/१७ भादवी ३८०. २).ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.१७८/१७ भादवी ३७९. ३) ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.१४०/१८ भादवी ३८०. ४).ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.८/१८ भादवी ३७९.

५).ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.२३३/१६ भादवी ४५४,३८०.६). ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.९०/१८ भादवी ३९२,३४.७).ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.२००/१८ भादवी ३७९.८). ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में गु.र.नं.८९/१८ भादवी ३८०. ९).मुम्ब्रा पुलिस स्टेशन गु.र.नं.३३७/२०१७ भादवी ३९२.१०). मुम्ब्रा पुलिस स्टेशन गु.र.नं.३८१/२०१७ भादवी ३७९ .११) कलवा पुलिस स्टेशन गु.र.नं.२७९/२०१७ भादवी ३७९.

इस गुनाह में चोरी हुए मोबाइल के आई.इ.एम्.आई नंबर ट्रेस कर ६ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से मोबाइल बरामद किये गए.सभी बरामद किये गए मोबाइलों को, ठाणे पुलिस उपायुक्त विभाग १ के डॉ. डी.एस .स्वामी के हाथों से मोबाइल मालिकों को लौटाया गया.

ठाणे पुलिस उपायुक्त विभाग १ के डॉ. डी.एस .स्वामी के मार्गदर्शन में पुलिस के विशेष दस्ते ने पिछले ९ महीनों में कुल ३७,९८,७५०/- रूपये की कीमत के ३५१ मोबाइल २० अपराधियों को गिरफ्तार कर उनके पास से बरामद किये हैं. जिन लोगों के मोबाइल चोरी हुए हैं या गुम गए हैं उनलोगों को उनकी पहचान से मोबाइल लौटाया गया है जिससे लोगों में काफी खुशी का माहौल है.

सोनाली बेंद्रे अपने देश लौट आईं

हुस्न बानो नुरमोहम्मद

मुंबई,पिछले दिनों सोनाली बेंद्रे के रोग का पता चला था और वह इलाज के लिए न्युयार्क चली गई थीं, वहां पर कुछ समय तक इलाज करवाने के बाद वह अपने पति गोल्डी बेहल के साथ अपने देश में वापस लौट आई हैं। न्युयार्क में सोनाली बेंद्रे का ईलाज हो गया है, किंतु समय-समय पर उनका चेकअप जारी रहेगा। अब तो वह दोबारा अपने फिल्मी कामों में व्यस्त हो जाएगी।

मुंबई में मंहगी बिजली का मुद्दाः निरुपम ने राज्यपाल को लिखा पत्र, अडानी ग्रुप पर लगाया आरोप

आसिफ खान

मुंबई, मुंबई में महंगी बिजली का मुद्दा अब सड़क से सीधे राजभवन तक पहुंच गया है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम ने राज्यपाल को चिट्ठी लिखकर बिजली की दर बढ़ाए जाने के पूरे फैसले की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। निरुपम ने अपनी चिट्ठी में आरोप लगाया है कि बिजली की दरों में वृद्धि का फैसला महाराष्ट्र राज्य विद्युत नियामक आयोग (एमईआरसी) तथा अडानी इलेक्ट्रिसिटी की मिलीभगत से किया गया है। निरुपम का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोस्त गौतम अडानी की कंपनी अडानी पावर लिमिटेड के आने के बाद बिजली

बिलों में एनर्जी चार्ज, वीलिंग चार्ज, रेग्युलेटरी ऐसेट चार्ज के नाम पर बेहिसाब वृद्धि कर दी गई। लोगों को जो बिजली बिल मिले उनमें ५० से १०० प्रतिशत तक ज्यादा रकम के थे। जिन लोगों को महीने में १००० रुपये बिल आता था उन्हें अब ३००० से ४००० रुपये तक के बिल आ रहे हैं।

निरुपम ने एमईआरसी पर अडानी इलेक्ट्रिसिटी को बचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि एमईआरसी एक सरकारी संस्था है, जिसका काम लोगों के हितों का ध्यान रखना है, लेकिन एमईआरसी कीमतें बढ़ाने के मामले में हमेशा बिजली सप्लाई करने वाली कंपनियों की मदद करती है। लोगों के विरोध के बाद एमईआरसी अडानी कंपनी को नोटिस भेजकर यह कहना कि हमने तो मामूली कीमतें बढ़ाने की मंजूरी दी थी, एमईआरसी और अडानी इलेक्ट्रिसिटी के कामकाज पर शक पैदा करता है।

महंगी बिजली के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

मुंबई : उपनगरों में बिजली की दरों में वृद्धि और रसोई गैस की कीमतें बढ़ने के खिलाफ मुंबई कांग्रेस ने १५ रेलवे स्टेशनों के बाहर प्रदर्शन किया। मुंबई कांग्रेस के अध्यक्ष संजय निरुपम के नेतृत्व में अंधेरी रेलवे स्टेशन के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। निरुपम ने बिजली कंपनी अडानी इलेक्ट्रिसिटी से मांग की कि बढ़ी हुई दरों के साथ भेजे गए बिल वापस ले और बिजली की दर कम करे। निरुपम ने कहा कि अगर बिजली की दर कम नहीं की गई, तो कंपनी को मुंबई में अपना धंधा बंद करके भागना पड़ेगा।

संपादकीय...

राजस्थान और तेलंगाना में चुनाव

राजस्थान और तेलंगाना में सात दिसंबर को होने वाले मतदान के लिए जोर शोर से चल रहा चुनाव प्रचार बुधवार शाम समाप्त हो गया। प्रचार के दौरान भाजपा, कांग्रेस, टीआरएस-टीडीपी और एएमआईएमआई के शीर्ष नेताओं के बीच जुबानी जंग से सियासी माहौल गरमाया रहा। नेताओं के निजी हमले करने वाले बयान वीडियो भी देखने को मिले। अब सबकी नजरें दोनों राज्यों में सात दिसंबर को होने वाले मतदान पर टिकी हैं, जब जनता अपना फैसला देगी।

चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी जैसे वरिष्ठ राजनीतिक नेताओं ने रैलियों को संबोधित किया और प्रचार में अपनी ताकत झोंक दी। सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए रैलियों को संबोधित किया और रोड शो का आयोजन किया। इन नेताओं में यूपीए अध्यक्ष अध्यक्ष सोनिया गांधी, भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और अन्य नेता शामिल हैं।

तेलंगाना में संभावित राजनैतिक परिदृश्य के कारण राहुल गांधी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्र बाबू नायडू ने पहली बार मंच साझा किया। कांग्रेस ने तेलुगु देशम पार्टी, भाकपा और प्रोफेसर एम कोडंडाराम की तेलंगाना जन समिति के साथ गठबंधन कर राज्य में ''जन मोर्चा बनाया है। माकपा की अगुवाई वाली बहुजन वाम मोर्चा भी चुनावी अखाड़े में है। तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जहां सोनिया गांधी ने केवल एक रैली को संबोधित किया वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन जनसभाओं में अपनी हुंकार भरी।

सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए राज्य के कार्यवाहक मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने ९० जनसभाओं को संबोधित किया और तेलंगाना राष्ट्र समिति को दूसरी बार मौका देने की जनता से अपील की। नायडू ने भी प्रदेश में चुनावी बैठकों और रोड शो में हिस्सा लिया। राजस्थान में टिकट न मिलने से निर्दलीय मैदान में ताल ठोक रहे विद्रोहियों से तो भाजपा और कांग्रेस जूझ ही रही हैं, साथ ही बागी हुए दिग्गज नेताओं की छोटी पार्टियों को मिल रहे समर्थन से बड़े दलों की सांसें थमी हैं। जातिगत आधार पर बने ये छोटे दल कांटे के मुकाबले में पासा किसी भी ओर पलटने का माद्दा रखते हैं।

बॉलीवुड समाचार

पुण्यतिथि विशेष: फिल्म इंडस्ट्री को ये नायाब तोहफा दे गए शशि कपूर

सुमन मौर्या

फिल्म इंडस्ट्री में कपूर खानदान का बेहद अतुलनीय योगदान रहा है. इसी परिवार में जन्में शशि कपूर ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई. दर्शक उनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि उनकी जेंटलमैन पर्सनालिटी के दीवाने हैं. आज उन्हें इस दुनिया से विदा हुए एक साल बीत चुके हैं. लेकिन आज भी वो अपने तमाम फैंस के दिलों पर राज करते हैं. कहते हैं कि जीते जी किए गए नेक काम इंसान की मृत्य के बाद भी लोगों को फायदा पहुंचाती है. शशि कपूर ने भी कुछ ऐसा ही किया.

मुंबई के जुहू इलाके स्थित शशि कपूर का पृथ्वी थिएटर आज न जाने कितने ही प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनकर उभरा है, जहां उन्हें अपनी कला का भरपूर प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होता है. इस थिएटर का भी अपना एक अनोखा इतिहास है. पिता पृथ्वीराज कपूर के नाम से शशि कुछ ऐसा करना चाहते थे जो लोगों के दिलों में बस जाए और साल दर साल लोगों को फायदा पहुंचाते रहे. मुंबई का ये पृथ्वी थिएटर (झ्रिप्न्न ऊर्पी) उनकी इसी सोच का नतीजा है.फर्स्टपोस्ट हिंदी की खबर के अनुसार, पृथ्वी के पब्लिसिस्ट मनोहर गढ़िया ने अपने एक इंटरव्यू में बताया, 'किसी समाचार पत्र में एक

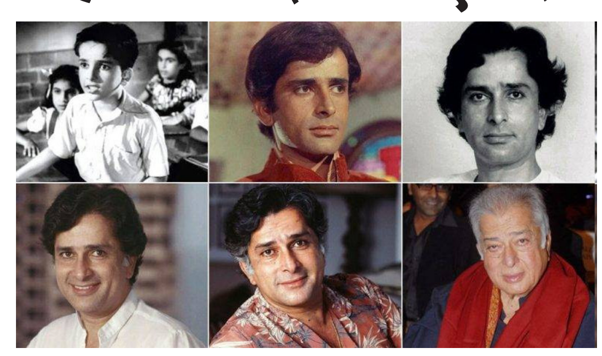

बार खबर छपी की फिल्म 'अजूबा' की असफलता के चलते शशि कपूर अपना ये आइकॉनिक थिएटर बेच रहे हैं. इस जगह पर एक मॉल का निर्माण कराया जाएगा. लेकिन असल में ये खबर अफवाह थी क्योंकि शशि अपनी जिंदगी में बेहद प्रोफेशनल थे और अपने व्यापार के साथ भी उनका ऐसा ही स्वभाव था.'

गढ़िया ने बताया कि शशि अगर पैसा ही कमाना चाहते तो इस जगह पर किसी भव्य मॉल या ऐसे किसी स्ट्रक्चर का निर्माण करवाते. इससे उन्हें करोड़ों रूपये हासिल हो जाते. लेकिन वो अपने पिता के नाम से कुछ करना चाहते थे और उन्होंने इस थिएटर का निर्माण करवाया.'आगे उन्होंने ये भी बताया कि इस थिएटर से वो ३० साल से जुड़े हैं और उन्होंने कभी शशि को यहां सिगरेट पीते नहीं देखा. वो एक परफेक्ट जेंटलमैन थे जो विवादों से दूर ही रहते थे.

आर्यन अब्बास दो म्यूजिक वीडियो 'मोहब्बत एवं बरसात' का भव्य लॉन्च

ए एस आर प्रोडक्शन की दो म्यूज़िक वीडियो 'मोहब्बत एवं बरसात' का भव्य लॉन्चिंग समारोह २९ नवम्बर २०१८, को अंधेरी स्तिथ 'दी व्यू' में सम्पन्न हुआ, जिसमे बॉलीवुड और मीडिया के कई हस्तियाँ शिरकत हुई। दोनों एल्बम के निर्माता और प्रमुख अभिनेता आर्यन अब्बास है। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने एल्बम की भरपूर सराहना की।इस अवसर पर प्रमुख रूप से वीनस ऑडियो के चम्पक जैन एव मुन्ना जी , संगीतकार दिलीप सेन, निर्माता निर्देशक मेहुल कुमार, निर्देशक लॉरेंस डिसूज़ा, निर्माता एवं स्टेण्ड-अप कॉमेडियन सुनील पाल, रीवा अरोरा, जादूगर हसन रिज़्वी और कई सारे मीडिया कर्मी मौजूद थे।दोनों अलबमों का निर्देशन व कोरियोग्राफी कौसर शेख ने किया है, गायक हैं साधना सरगम, फरहान साबरी, विक्रांत भारतीय एवं मन्न्या, गीत सागर रज़ा खान और संगीत दिलीप सेन एवं बिस्वजीत भट्टाचार्य का है।एल्बम के सितारे हैं, स्वयं आर्यन अब्बास, सोनाली वर्मा, इज़हार अली, आर्या खान, इमरान खान, पल्लवी, विवेक राजपूत और अंजुम खान।

ऑनर किलिंग: बहन ने किया प्रेम विवाह तो भाई ने खिलाया जहर, मिली फांसी की सजा

हिसार के जुगलान गांव में करीब दो साल पहले एक युवती को जहर देकर मारने के मामले में दोषी ठहराए गए उसके भाई अशोक को कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। अभियुक्त बहन के प्रेम विवाह से नाराज था, जिसके चलते उसने इस घटना को अंजाम दिया। कोर्ट ने उसे २९ नवंबर को दोषी ठहराया था। मामले में एडीजे डॉ. पंकज की अदालत ने फांसी की सजा सुनाई है।

इस प्रकरण में युवती किरन की मौत को प्राकृतिक मौत बताकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया था, तब प्रेम विवाह करवाने वाली संस्था सनातन धर्म ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय चौहान ने इस घटना को उजागर करते हुए पुलिस को सूचना दी थी। प्रेमी रोहताश सैनी की तरफ से शिकायत देकर कार्रवाई की गुहार लगाई थी। इसके बाद पुलिस ने जांच कर मृतका के भाई अशोक को गिरफ्तार किया था। बता दें कि मृतका का पिता हरियाणा पुलिस में एसआई था।

इसके चलते मामले को दबाने की पूरी कोशिश की गई। इस प्रकरण में पुलिस ने हत्या, शव खुर्द-बुर्द सहित अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। सीसवाल निवासी रोहताश सैनी और गांव जुगलान वासी किरण की वर्ष २०१२ में मुलाकात हुई थी, तब किरण आदमपुर के एक कॉलेज में पढ़ती थी और वहीं पीजी में रहा करती थी। उसी इलाके के शिक्षण संस्थान में वह ड्राइवर था। ऐसे में उनके बीच प्यार हो गया था।

बहन से सुसाइड नोट लिखवाकर पिला दिया था जहर

पुलिस ने मामले की जांच करके मृतका के एसआई पिता व उसके भाई अशोक से पूछताछ की थी। उन्होंने बताया था कि प्राकृतिक मौत हो गई थी, इसलिए अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस ने अशोक से सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसने बताया कि किरण को भावनात्मक ब्लैकमेल करते हुए खुद जहर पीकर सुसाइड की कहने लगा था। फिर किरण से सुसाइड नोट लिखवाकर उसे जबरन जहर पिला दिया था, जिसके कुछ देर बाद दम तोड़ दिया था।

भोपाल गैस त्रासदी के ३४ साल, जानें कैसे रातों-रात तबाह हो गई थीं हजारों जिंदगियां

भोपाल : भोपाल गैस त्रासदी को ३४ साल पूरे हो गए हैं. यह इतिहास की वह भयावह दर्दनाक त्रासदी है जिसकी याद आज भी लोगों के जहन में ताजा है. आज भी लोग उस काली रात को याद कर दहल जाते हैं, जिसने रातों-रात हजारों जिंदगियों को तबाह कर दिया था. २-३ दिसंबर १९८४ की रात मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में जो कुछ भी हुआ उसने सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को दहला कर रख दिया था. यह वो सर्द रात थी जब हर कोई अपनी-अपनी रजाई में सो रहा था और एकाएक यहां के यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड के प्लांट से जहरीली गैस का रिसाव शुरु हो गया, यह जहरीली गैस देखते ही देखते पूरे शहर की हवा में फैल गई और हजारों

जिंदगी हमेशा-हमेशा के लिए मौत के आगोश में समा गईं. इस त्रादसी को इतिहास का सबसे बड़ा औद्योगिक हादसा माना जाता है, जिसका दंश यहां रहने वाले लोग आज भी झेल रहे हैं.

भले ही इस भयावह त्रासदी के ३४ साल पूरे हो गए हैं, लेकिन यहां की हवाओं में आज भी जहरीली गैसों का खतरा बरकरार है, क्योंकि उस त्रासदी का तकरीबन ३४६ टन जहरीले कचरे का निस्तारण अब भी यहां के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ है.

२-३ दिसंबर १९८४ को हुआ था यह हादसा

अब से ठीक ३४ साल पहले २-३ दिसंबर १९८४ को यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी से अचानक जहरीली गैस का रिसाव होने लगा, जिसने देखते ही देखते भोपाल गैस त्रासदी का भयावह रूप अख्तियार कर लिया. सर्दियों की रात में हुआ यह हादसा पल भर में हजारों जिंदगियों को तबाह कर गया.

इस त्रासदी के तकरीबन ८००० लोगों ने दम तोड़ दिया तो वहीं ८००० से ज्यादा लोगों ने इस जहरीली गैस की चपेट में आने के कारण बीमार होकर दम तोड़ दिया. इस हादसे के उस भयावह मंजर को याद कर आज भी लोग दहल उठते हैं. स्थानीय लोगों का मानना है कि इस त्रासदी के कारण आज भी भोपाल के आस पास अपंग बच्चे पैदा होते हैं.

जहरीली गैस ने छीन ली हजारों जिंदगियां

बताया जाता है कि यूनियन कार्बाइड कंपनी से मिथाइल आइसो साइनाइट (मिक) नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिसका इस्तेमाल कीटनाशक के लिए किया जाता था. इस कंपनी से इस जहरीली गैस का रिसाव होने के कारण जो भी इसके संपर्क में आया उसकी मौत भी कीड़े-मकोड़ों की तरह हो गई. इस जहरीली गैस ने हजारों लोगों की जिंदगियां छीन ली थी और इस हादसे की भयावह तस्वीरें आज भी लोगों को झकझोर कर रख देती हैं.

हालांकि इस हादसे में मरने वाले की संख्या अलग-अलग बताई गई थी. पहले अधिकारिक तौर पर मरने वालों की संख्या २,२५९ बताई गई थी, फिर मध्य प्रदेश की तत्कालीन सरकार ने ३,७८७ लोगों के मरने की पुष्टि की थी. जबकि कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि ८००० से ज्यादा लोगों की मौत तो दो सप्ताह के अंदर ही हो गई थी और लगभग अन्य ८००० लोग गैस रिसाव से फैली बीमारियों के कारण मारे गये थे, लेकिन इससे प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या लाखों में होने का अनुमान जताया गया.

पत्नी की ख्वाहिशों से पति हुआ परेशान, फांसी लगाकर दे दी जान

पिंपरी-चिंचवड : पुणे के पास पिंपरी-चिंचवड में कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से परेशान होकर खुदकुशी की थी। इस मामले में अब चिखली पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पिंपरी-चिंचवड में रहने वाले जय तेलवानी के आत्महत्या करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद उसकी पत्नी तृप्ती तेलवानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एबीपी माझा की खबर के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, १३ नवंबर को जय तेलवानी ने खुद्कुशी की थी। जिसके बाद जय के परिवार वालों ने उनकी पत्नी के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पत्नी तृप्ती से परेशान होकर ही जय ने खुद्कुशी की पुलिस शिकायत में ऐसा आरोप लगाया गया है। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की

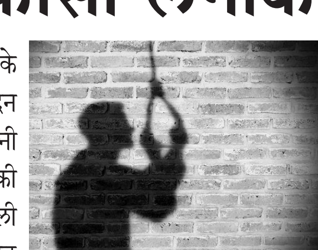

कड़ी जांच करते हुई तृप्ती को गिरफ्तार किया।

जय तेलवानी के परिवार वालों को शिकायत के अनुसार, 'तृप्ती को ऐशो आराम के लिए पैसे खर्च करने की आदत जड़ कर गई थी। जिसके लिए जय को कर्ज तक लेना पड़ा था। अगर तृप्ती को पैसे नही मिलते तो वह जय को गंदी गालियां दिया करती थी, कभी-कभी तो वह जय को मारती भी थी। साथ ही पति को आत्महत्या करने की धमकी देती थी।

कुछ दिन पहले तो तृप्ती ने एक चौंकाने वाली चीज की थी। उसने जय का एक वीडियो (जिसमें किसी दूसरे का आवाज दिया हुआ था) बनाया, यह वीडियो वह जय के दोस्तों को दिखाती थी और कहती थी कि जय को कैंसर हुआ है। उसने यह वीडियो अपने कई दोस्तों को भी दिखाया था।'

पिंपरी-चिंचवड : पुणे के पास पिंपरी-चिंचवड में कुछ दिन पहले एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से परेशान होकर खुदकुशी की थी। इस मामले में अब चिखली पुलिस ने पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पिंपरी-चिंचवड में रहने वाले जय तेलवानी के आत्महत्या करने का मामला सामने आया था। जिसके बाद उसकी पत्नी तृप्ती तेलवानी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। एबीपी माझा की खबर के मुताबिक यह जानकारी सामने आई है। जानकारी के अनुसार, १३ नवंबर को जय तेलवानी ने खुद्कुशी की थी। जिसके बाद जय के परिवार वालों ने उनकी पत्नी के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पत्नी तृप्ती से परेशान होकर ही जय ने खुद्कुशी की पुलिस शिकायत में ऐसा आरोप लगाया गया है। जिसके बाद पुलिस ने इस मामले की कड़ी जांच करते हुई तृप्ती को गिरफ्तार किया।

जय तेलवानी के परिवार वालों को शिकायत के अनुसार, 'तृप्ती को ऐशो आराम के लिए पैसे खर्च करने की आदत जड़ कर गई थी। जिसके लिए जय को कर्ज तक लेना पड़ा था। अगर तृप्ती को पैसे नही मिलते तो वह जय को गंदी गालियां दिया करती थी, कभी-कभी तो वह जय को मारती भी थी। साथ ही पति को आत्महत्या करने की धमकी देती थी। कुछ दिन पहले तो तृप्ती ने एक चौंकाने वाली चीज की थी। उसने जय का एक वीडियो (जिसमें किसी दूसरे का आवाज दिया हुआ था) बनाया, यह वीडियो वह जय के दोस्तों को दिखाती थी और कहती थी कि जय को कैंसर हुआ है। उसने यह वीडियो अपने कई दोस्तों को भी दिखाया था।'

पुलिस की दी हुई जानकारी के अनुसार, किशन और उसकी पत्नी जिस घर में रहते थे वह घर मृतक के नाम पर था और इसी वजह से उसकी पत्नी उससे हमेशा झगड़ा करती थी। महिला चाहती थी कि घर उसके नाम पर हो जाए। इसी मानसिक उत्पीड़न से थक कर किशन ने अपने ही घर में फांसी लगा खुदकुशी कर ली।

अखाड़ा परिषद की लिस्ट में फर्जी संत घोषित राधे मां दोबारा बनीं जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर

शाहीन सय्यद

प्रयागराज, अक्सर विवादों में रहने वाली मुंबई की चर्चित धर्मगुरु राधे मां उर्फ सुखविंदर कौर की प्रयागराज में लगने जा रहे कुंभ मेले से पहले जूना अखाड़े में वापसी हो गई है। जानकारी के मुताबिक, भक्तों की गोद में बैठकर अश्लील डांस करने के मामले में राधे मां ने लिखित माफी मांगी है और भविष्य में दोबारा इस तरह की हरकत नहीं करने की बात कही है। इसी आधार पर जूना अखाड़े में उनकी दोबारा एंट्री हुई है। जूना अखाड़े ने न सिर्फ राधे मां का निलंबन रद्द कर उन्हें बहाल कर दिया है, बल्कि उनकी महामंडलेश्वर की पदवी भी वापस कर दी है। अखाड़े में बहाली और महामंडलेश्वर की पदवी वापस होने के बाद राधे मां अब न सिर्फ इसी महीने की २५ तारीख को प्रयागराज कुंभ मेले में होने वाली जूना अखाड़े की पेशवाई में शामिल हो सकेंगी, बल्कि कुंभ के तीनों शाही स्नान में भी अखाड़े की शोभा बढ़ाएंगी।

'राधे मां के खिलाफ गंभीर आरोप नहीं'

जूना अखाड़े ने कुंभ में महामंडलेश्वर के तौर पर राधे मां को जमीन और दूसरी सुविधाएं भी मुहैया कराने का फैसला लिया

है। राधे मां की बहाली का फैसला इसलिए थोड़ा हैरान करने वाला है क्योंकि पिछले साल अखाड़ा परिषद ने उनका नाम फर्जी बाबाओं की लिस्ट में डाला था। राधे मां का निलंबन रद्द करने, उन्हें अखाड़े में बहाल करने और महामंडलेश्वर की पदवी वापस देने का फैसला कुछ दिनों पहले ही जूना अखाड़े की बैठक में लिया गया, जिसकी औपचारिक घोषणा रविवार को प्रयागराज में अखाड़े के संरक्षक महंत हरिगिरि ने की।

महंत हरिगिरि ने बताया कि राधे मां के खिलाफ अखाड़े की कई टीमों ने जांच की थी लेकिन किसी में भी उनके खिलाफ कोई गंभीर आरोप नहीं पाए गए। इतना ही नहीं उनके खिलाफ कोई क्रिमिनल केस भी अब पेंडिंग नहीं है।

पायलट बाबा की भी घर वापसी

गौरतलब है कि राधे मां को प्रयागराज में ही छह साल पहले लगे कुंभ मेले से ठीक पहले निलंबित किया गया था। राधे मां के अलावा जूना अखाड़े ने पायलट बाबा की भी घर वापसी कराते हुए उनका निलंबन रद्द कर दिया। अब उन्हें अखाड़े ने बहाल करते हुए महामंडलेश्वर की पदवी वापस कर दी है। राधे मां की तरह अब पायलट बाबा भी कुंभ मेले में जूना अखाड़े की पेशवाई व शाही स्नान का हिस्सा बनेंगे। उन्हें भी अखाड़े से ज़मीन व दूसरी सुविधाएं मिलेंगी।

पायलट बाबा ने भी अखाड़े से लिखित तौर पर माफी मांगी थी। हरिद्वार में पायलट बाबा के जुलूस में भगदड़ मच गई थी, जबकि प्रयागराज के कुंभ में उन्होंने महामंडलेश्वरों की परिषद बनाने की पहल कर अखाड़े को नाराज किया था। हालांकि, राधे मां और पायलट बाबा के मुद्दे पर अखाड़ा परिषद ने अभी कोई फैसला नहीं किया है।

अब पुलिसकर्मियों को सरकार की ओर से मिलेगी 'ई-आवास' योजना

मुंबई : पुलिस के जवानों के लिए मुंबई पुलिस ने 'ई-आवास' योजना शुरू की है, ई-आवास' योजना के जरिए ऑनलाइन तरीके से पुलिसकर्मियों को घर मुहय्या कराए जाएंगे।रविवार को विलेपार्ले पुलिस थाने के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन करने आए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने ई-आवास योजना का शुभारंभ किया।

मुंबई में करीब ५३ हजार पुलिसकर्मियों के लिए २२ ,५०० ही मकान हैं। इनमें से कई मकान काफी पूराने,व जर जर स्थिती में है। ज़्यादातर इमारतों की हालत तो बहुत ही खराब हो गई है।इस बात को ध्यान में रखते हुए सीएम

देवेंद्र फडणवीस ने ई-आवास योजना का शुभारंभ किया।

रविवार को विलेपार्ले पुलिस थाने के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन के कार्यक्रम में अभिनेता अमिताभ बच्चन, पालक मंत्री विनोद तावडे भी उपस्थित थे।

क्या है 'ई-आवास' योजना की प्रतिक्रिया

'ई-आवास' योजना सभी पुलिस कर्मी को पोर्टल पर जाकर आवेदक पुलिसकर्मी अपना नाम, पद, बक्कल संख्या, कार्यरत जगह और पसंदीदा इलाका भरने होंगे । कंप्यूटराइज्ड तरीके से भरे हुए आवेदन पत्र का प्रिंट आउट स्थानीय प्रदेशिक विभाग (रीजन) में जमा करना होगा। व्यावहारिक जांच के बाद एओ उस आवेदन को ई-आवास पोर्टल पर अपलोड करेंगे।महीने की ३० या ३१ तारीख तक आवेदक अप्लाइ कर सकते है। अगले महीने के १ से ९ तारीख की रात १२ बजे तक आवेदक अपने अनुसार पंसदीदा घर या इलाके में सुधार भी कर सकते हैं।१०तारीख के बाद उनके आवेदन के आधार पर आकलन करने के बाद संबंधित इलाके में घर दिये जाएंगे।

कैश संकट से जूझ रही फडणवीस सरकार पर साईं बाबा की बड़ी कृपा, शिरडी ट्रस्ट ने दिया ५०० करोड़ रूपये का इंट्रेस्ट फ्री लोन

मुंबई: महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार लंबे समय से कैश की समस्या से जूझ रही है. मुश्किल की इस घड़ी में राज्य सरकार को साईं बाबा का सहारा मिला है. शिरडी के साईबाबा मंदिर ट्रस्ट ने सरकार को ५०० करोड़ रुपये का इंट्रेस्ट फ्री लोन देने का फैसला किया है. यह रकम निलवंडे सिंचाई योजना को पूरा करने के लिए दी जाएगी ताकि अहमदनगर जिले की तहसीलों में पीने के पानी की समस्या हल हो सके. बता दें कि ट्रस्ट के चेयरपर्सन बीजेपी नेता सुरेश हवारे हैं, जिन्होंने राज्य सरकार द्वारा सिंचाई योजना

के लिए लोन मांगने पर सहमति दे दी. खास बात यह है कि इससे पहले किसी सरकारी कॉर्पोरेशन को इतना बड़ा लोन बिना ब्याज के नहीं दिया गया है. यहां तक कि लोन की वापसी के लिए समय-सीमा भी तय नहीं की गई है. इसी साल फरवरी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एक बैठक कर लोन के प्रस्ताव को पारित किया था और रकम जारी करने का निर्देश शनिवार को जारी कर दिया गया

गौरतलब है कि जल संसाधन विभाग इस साल के बजट में ३०० करोड़ का प्रावधान कर चुका है और अगले साल ४०० करोड़ देगा. अधिकारी ने बताया कि दो साल में नहर का काम पूरा होने की उम्मीद है. बता दें कि पिछले साल भी इसी प्रॉजेक्ट के लिए ५०० करोड़ रुपये सरकार को ट्रस्ट ने देने का फैसला किया था. हालांकि, उस वक्त तय समय के अंदर लोन वापस करने की बात तय हुई थी. इस बार ट्रस्ट ने लोन वापसी के लिए कोई ब्याज नहीं लिया है साथ ही इसके लिए समयसीमा भी नहीं दी गई है.

खेत गई बच्ची से १४ वर्षीय लड़के ने किया बलात्कार

मुजफ्फरनगर: उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में एक १४ वर्षीय लड़के द्वारा ८ साल की बच्ची को हवस का शिकार बनाने का मामला सामने आया है। घटना शुक्रवार शाम असदनगर गांव में हुई। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है लेकिन फिलहाल वह फरार है। आरोपी ने गन्ने के खेत में इस घिनौनी करतूत के अंजाम दिया। पीड़िता के पिता की ओर से दायर याचिका के अनुसार बच्ची दो अन्य बच्चों के साथ खेत गई थी।

इसके बाद आरोपी उसे जबरन पास के अन्य खेत में ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चों ने परिवार को घटना के बारे में बताया और वह तुरंत बच्ची को अस्तपाल ले गए।

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले मुजफ्फरनगर जिले में एक ९ वर्षीय बच्चे के साथ कुकर्म करने की घटना सामने आई थी। २० वर्षीय आरोपी ने अप्राकृतिक यौनाचार करने के बाद पीड़ित को धमकी दी थी कि यदि उसने इस बारे में किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। आरोपी पिन्ना गांव में बच्चे को एक खेत में ले गया जहां उसने कथित तौर पर इस घृणित कृत्य को अंजाम दिया था। बच्चे ने लौटकर अपने पिता को इस बारे में बताया था।

बीमार पत्नी को पति ने लगाया HIV 'इंजेक्शन'

नई दिल्ली: दहेज के लिए महिलाओं को प्रताड़ित करने की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। महाराष्ट्र के पुणे में एक महिला के साथ दहेज के लिए प्रताड़ित करने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। २७ वर्षीय महिला ने आरोप लगाया है कि पति और ससुरालवालों ने उसके शरीर में करीब एक साल पहले ह्यूमन इम्यूनोडेफिशियेंसी वायरस (एचआईवी) इंजेक्ट किया था। ताकि दोनों में तलाक हो जाए। अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, महिला का आरोप है कि २०१५ में शादी के बाद से ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। महिला का पति होम्योपैथी का डॉक्टर है। पुलिस के अनुसार, महिला ने बताया कि जब वह पिछले साल अक्टूबर में बीमार पड़ी तो उसके पति ने घर पर उसे एचआईवी संक्रमित सलाइन की बोतल चढ़ाई थी। एक अधिकारी ने कहा, 'इस साल फरवरी में जब वह फरवरी में फिर बीमार पड़ी तो डॉक्टर्स ने कुछ टेस्ट्स कराए जिनमें वह एचआईवी पॉजिटिव पाई गई।'

देश में गैर कांग्रेस, गैर भाजपा सरकार बननी चाहिए : ओवैसी

मुंबई, एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस और भाजपा पर देश की विविधता को प्रतिबिंबित नहीं कर पाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि अगले लोकसभा चुनाव के बाद केंद्र में क्षेत्रीय दलों की गैर-कांग्रेस, गैर-भाजपा सरकार सत्ता में आनी चाहिए। ओवैसी ने कहा कि भारत की राजनीति दो ध्रुवीय नहीं हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि देश की विविधता भाजपा और कांग्रेस द्वारा प्रतिबिंबित नहीं

हो रही है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि इस देश में एक गैर-कांग्रेस, गैर-भाजपा सरकार की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और भाजपा शासन चलाने, संघवाद और उनके वादे के हर पहलू को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। ओवैसी ने कहा, 'इसलिए, निश्चित रूप से चुनाव परिणाम आने के बाद, मेरा मानना है कि हमारे इस महान राष्ट्र का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, यह तय करने में क्षेत्रीय दल एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।'

पत्नी से परेशान पति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

पुणे : पुणे में एक पति ने पत्नी से परेशान होकर खुदकुशी कर ली। पत्नी से परेशान होने की वजह से पति ने फांसी लगाकर अपना जीवन खत्म किया। इस मामले में भारती विद्यापीठ पुलिस थाने में अपराध दर्ज किया गया है। खुदकुशी के लिए पत्नी को प्रेरित करने के मामले मे संबंधित महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

मिली हुई जानकारी के अनुसार, मृत व्यक्ति का नाम किशन वाघमारे (उम्र ३५ साल)

था। किशन वाघमारे पुणे जिले के आंबेगाव बुद्रुक गांव में रहता था। पिछले कुछ दिनों से वह काफी परेशान था और इसी बीच उसने खुदकुशी करते हुए अपना जीवन समाप्त किया। बताया गया कि किशन और उसकी पत्नी की बिल्कुल भी नहीं बनती थी। उसका हमेशा पत्नी से झगड़ा होता रहता था, जिससे वह काफी निराश दिखाई देता था। पुलिस की दी हुई जानकारी के अनुसार, किशन और उसकी पत्नी जिस घर में रहते थे वह घर मृतक के नाम पर था और इसी वजह से उसकी पत्नी उससे हमेशा झगड़ा करती थी। महिला चाहती थी कि घर उसके नाम पर हो जाए। इसी मानसिक उत्पीड़न से थक कर किशन ने अपने ही घर में फांसी लगा खुदकुशी कर ली। फिलहाल भारती विद्यापीठ पुलिस इस मामले में जांच कर रही है।

इस घटना की वजह से किशन के पूरे परिवार को काफी बड़ा सदमा पहुंचा है। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया है। पुलिस ने गांव में भी जांच शुरू कर दी है।

क्या विपक्षी खेमे में फिर लौटेंगे नारायण राणे? कोंकण क्षेत्र में बीजेपी की रणनीति पर पड़ सकता है असर

मुंबई: एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार के पूर्व कांग्रेसी नेता नारायण राणे से मुलाकात के बाद अगले साल आम चुनाव के पहले राणे के विपक्षी खेमे में लौटने के कयास लगाए जा रहे हैं. महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में सिंधुदुर्ग जिले का दौरा कर रहे पवार कांकावली में पूर्व मुख्यमंत्री राणे के आवास पर गए. राणे का कोंकण क्षेत्र में मजबूत जनाधार है. उन्होंने पिछले साल सितंबर में कांग्रेस छोड़ दी थी और अपनी नयी पार्टी- महाराष्ट्र स्वाभिमानी पक्ष का गठन किया

था. वह फिलहाल राज्यसभा सदस्य हैं. सत्तारूढ़ भाजपा के समर्थन से वह राज्यसभा सदस्य बने थे.भेंट के बारे में पूछे जाने पर, दोनों वरिष्ठ नेताओं की मुलाकात के दौरान मौजूद रहे राणे के बेटे नितेश ने इसे 'सद्भावना मुलाकात' बताया. विवरण देने से इंकार करते हुए विधायक ने कहा, "वह (पवार) कांकावली से रत्नागिरि की तरफ जा रहे थे. उन्होंने कहा कि वह चाय के लिए आएंगे, इसलिए वह आए.''हालांकि, एक सूत्र ने कहा, "बैठक के दौरान मौजूदा राजनीतिक हालात पर अनौपचारिक चर्चा हुई। दोनों के बीच कुछ और बैठकें हो सकती है." राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के सूत्रों के मुताबिक, रत्नागिरि-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से राणे को पार्टी के टिकट पर उतारने के विकल्प को खंगाला जा रहा है. उन्होंने दावा किया कि लोकसभा चुनावों के पहले भाजपा ने सहयोगी शिवसेना को सीट दे दी थी जिससे राणे नाराज थे. राणे ने मतभेद के बाद २००५ में शिवसेना छोड़ दी थी.

साड़ी का मामला अदालत में पहुंचा

समझाने-बुझाने के बाद पति ने वापस ली तलाक की अर्जी

पुणे: पुणे से एक विचित्र मामला सामने आया है। घर में पत्नी के साड़ी न पहनने से नाराज पति ने तलाक की अर्जी लगाई। शिवाजीनगर जिला न्यायालय में दायर किया गया था। लेकिन समझाने बुझाने के बाद पति और पत्नी एक साथ रहने के लिए राजी हो गए। अरुण और मनीषा (बदले हुए नाम) को उनके बच्चों का हवाला देकर समझाने की कोशिश की गई। ३२ वर्षीय अरुण स्नातक हैं और एक निजी कंपनी में काम करते हैं और उनकी पत्नी मनीषा १२वीं पास और हाउस वाइफ हैं।

शादी के बाद मनीषा घर में वक्त सूट पहनती थी और इसकी वजह से उनके घर में हमेशा झगड़े होते थे। मनीषा की सास उसके सूट पहनने के खिलाफ थी। लेकिन बहू को घर में साड़ी पहनना अच्छा नहीं लगता था। मनीषा की सास का मानना था कि समाज के लोग क्या कहेंगे। मनीषा के सास का कहना था उनकी लड़की अपने ससुराल में साड़ी पहनती है, लिहाजा उसे भी साड़ी पहननी चाहिए। मनीषा के पति ने अपनी मां की हां में हां मिलाई। सास और पती का कहना मनीषा को ठीक लगता था लेकिन घर में सूट पहनने की इजाजत दी जाये यह मनीषा का कहना था ।

मनीषा का कहना था उसके ससुराल में कोई मानने के लिए तैयार नही था। इसी वजह से मनीषा डिलीवरी के लिए मायके चली गई।उसने एक बच्चे को जन्म दिया।लेकिन उसके पति बच्चे को देखने के लिए भी नही आए। जुलाई महीने में अरूण ने तलाक के लिए अर्जी दायर की। यह केस कोर्ट ने आपसी समझौते के लिए भेज दिया। दोनों पति और पत्नी की बात सुनी गयी। सास के पुराने ख्यालात के वजह से अरूण,मनीषा और उसके छोटे बच्चे के मानसिक हालात पर क्या असर हो रहा है उन्हें ये समझाने और बताने की कोशिश की गई। समझाने के दौरान मनीषा को घर में सूट पहनना और फंक्शन में साडी पहनने की इजाजत दी गयी।

एमपी: EVM पर घमासान, अफसर निलंबित

भोपाल, मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग के बाद कांग्रेस पार्टी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर एक बार फिर बीजेपी सरकार पर हमलावर है। दरअसल, पोलिंग के ४८ घंटे के बाद रिजर्व ईवीएम के सागर हेडक्वॉर्टर पहुंचने पर शनिवार को यहां के स्ट्रॉन्ग रूम में दो घंटे से ज्यादा समय के लिए सीसीटीवी कैमरा बंद हो गया था। इस पर कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने जमकर हंगामा किया। इस बारे में एमपी के मुख्य चुनाव अधिकारी (ण्ढ्ं) कांता राव ने भी सफाई दी। उन्होंने ट्वीट कर मतदाताओं को भरोसा दिलाने की कोशिश की कि सभी न्ऱ्श् सेफ, सिक्यॉर और सील हैं। उधर, ईवीएम पहुंचने में देरी होने के मामले में सागर के एक नायब तहसीलदार को निलंबित कर दिया गया है।

आपको बता दें कि खुरई से सागर ३७ रिजर्व ईवीएम डिलिवर

करने के लिए २५ किलोमीटर का रास्ता तय करने में एक स्कूल बस समेत दो गाड़ियों को दो दिन का वक्त लग गया। स्कूल बस पर कोई रजिस्ट्रेशन नंबर भी नहीं था। खुरई में गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह को कड़ी टक्कर दे रहे कांग्रेस प्रत्याशी अरुणोदय दुबे ने कहा कि ईवीएम पहुंचाने में देरी और बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की गाड़ी के इस्तेमाल से शक पैदा होता है। उन्होंने बीजेपी पर गलत तरीकों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया और जांच की मांग की।

कैमरा बंद होने पर बवाल

सागर के जिला कलेक्टर आलोक सिंह ने बताया कि ईवीएम डिलिवरी में देरी के बाद उनसे रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया कि नायब तहसीलदार को घटना पर नोटिस दिया गया। उन्होंने सीसीटीवी बंद होने की घटना के बारे में कहा कि थोड़े से समय के लिए ऐसा हुआ था लेकिन उसे फौरन सही कर दिया गया। उन्होंने बताया कि केवल डिस्प्ले बंद हुआ था। कैमरा चल रहा था और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को रिकॉर्डिंग दिखाई भी गई। उन्होंने बताया कि कैमरे से एक इनवर्टर को भी जोड़ दिया गया।

ईवीएम मिलाने का आरोप

इस बीच, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खरगोन जिले के हेडक्वॉर्टर में विरोध और धरना प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि खराब ईवीएम को सही मशीनों के साथ मिलाकर रख दिया गया। इसके बाद खरगोन के एसपी डी कल्याण चक्रवर्ती, अडिशनल कलेक्टर और सब-डिविजनल मैजिस्ट्रेट ने कांग्रेस के प्रतिनिधियों को ले जाकर रिजर्व ईवीएम का वेयरहाउस और स्ट्रॉन्ग दिखाया। तब जाकर उन्होंने आधी रात को प्रदर्शन खत्म किया।

सिंधिया ने भी घेरा

इस मामले पर कांग्रेस सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को ट्वीट कर बड़ी साजिश की आशंका जताई थी। सिंधिया ने ट्वीट किया था, 'भोपाल में स्ट्रांग रूम के बाहर लगी एलईडी बंद होना, सागर में गृह मंत्री की विधानसभा सीट की रिजर्व ईवीएम का ४८ घंटे बाद पहुंचना, सतना-खरगोन में अज्ञात बक्से स्ट्रांग रूम में ले जाए जाने का विडियो सामने आना बड़ी साजिश की ओर इशारा है।'

चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस

कांग्रेस के नेताओं का प्रतिनिधिमंडल शनिवार को चुनाव आयोग से मिला। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में ईवीएम से छेड़छाड़ और सुरक्षा के मुद्दे पर पार्टी ने यह मुलाकात की। कांग्रेस नेता और वकील विवेक तनखा ने बताया, 'मध्य प्रदेश में ईवीएम की सुरक्षा से जुड़े कम से कम तीन मामले सामने आए हैं। यह चिंताजनक इशारे हैं और हमने चुनाव आयोग से इसमें जांच करने की अपील की है।'

स्कूल बस वाली घटना का जिक्र करते हुए पार्टी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि इन मशीनों को कलेक्टर के ऑफिस में जमा करना चाहिए था। पार्टी का कहना है कि इससे न सिर्फ शक पैदा हुआ है बल्कि हैरानी भी होती है क्योंकि पोलिंग में इस्तेमाल सारी ईवीएम पहले ही जिला हेडक्वॉर्टर में डिपॉजिट करा दी गई थीं।

राम जन्मभूमि फिल्म की रिलीज़...

(पृष्ठ १ का शेष)

जिसकी वजह से शिया - सुन्नी और हिन्दू - मुस्लिम के बीच तनाव बढ़ सकता है.

याचिका में ९ उत्तरदाता थे १)वसीम रिज़वी (राइटर व प्रोडूसर राम जन्मभूमि फिल्म), २) सुनोज मिश्रा (निदेशक राम जन्मभूमि फिल्म), ३) अध्यक्ष (सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफिकेशन), ४) सी.इ.औ. (सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफिकेशन), ५) स्टेट ऑफ़ महाराष्ट्र , ६) यूनियन ऑफ़ इंडिया , ७) यूट्यूब , ८) ट्विटर ९) गूगल ट्रेलर को लेकर, २० नवंबर को रजा अकादमी संस्था ने मुंबई पुलिस से शिकायत की थी। २३ नवंबर को महाराष्ट्र मुस्लिम आवामी समिति ने यूनियन इनफार्मेशन व ब्राडकास्टिंग मिनिस्टर राजवर्धन राठौर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ फिल्म सर्टिफिकेशन को पत्र लिखा था. इसके अलावा, प्रिंस याकूब हबीबुद्दीन तुकी ने भी रिज़वी को कानूनी नोटिस और १०० करोड़ रुपये की मानहानी की चेतवनी दी थी। २७ नवंबर को मुंबई उच्च न्यायालय ने फिल्म से जुड़े ९ पार्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। आज न्यायलय में आर्गुमेंट (तर्क) के बाद फिल्म पर आदेश जारी किये है।

छात्रा से शराबी ने की शर्मनाक हरकत

मुंबई : सपनों के शहर मुंबई में इन दिनों महिलाओं को इन दिनों असुरक्षा का अहसास हो रहा है। आईआईटी में पढ़ने वाली एक छात्रा ने एक शख्स पर नशे की हालत में यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। यह घटना पोवई कैंपस के गेट के पास घटी। छात्रा ने पुलिस में इस बारे में शिकायत दर्ज कराई और कहा कि आरोपी शख्स ने अभद्र भाषा और गलत तरीके से छूकर उसका यौन उत्पीड़न किया। पोवई पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ उत्पीड़न का मामला दर्ज किया है।

दैनिक मजदूरी करने वाले २५ वर्षीय सुरेश बूरिया ने उस समय आईआईटी की २१ वर्षीय छात्रा को गलत तरीके से छूने की कोशिश की जब वह सड़क से गुजर रही थी। यह घटना रात ११.३० बजे घटी जब छात्रा मुंबई के आईआईटी कैंपस में रात का खाना खाकर वापस लौट रही थी। छेड़छाड़ के बाद छात्रा ने शोर मचाना शुरु कर दिया और उसकी आवाज सुनकर अन्य छात्र मौके पर छात्रा की मदद के लिए पहुंच गए। छात्रों ने आरोपी को आईआईटी के गाड्र्स के हवाले किया और इसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया।शिकायत दर्ज कराने से कतराई छात्रा

रिपोर्ट्स के अनुसार छात्रा किसी दूसरे राज्य से आती है और वह आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराने से हिचक रही है। पुलिस ने खुद छात्रा से आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराने को लेकर संपर्क किया था। पुलिस ने छात्रा से कहा कि अगर उसने आरोपी के खिलाफ शिकायत नहीं की तो उसे छोड़ दिया जाएगा। इसके बाद छात्रा मामला दर्ज कराने को लेकर सहमत हुई और पुलिस ने धारा ३५४ के तहत मामला दर्ज कर लिया।

गुजरात: कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का पेपर लीक, एग्जाम रद्द

अहमदाबाद: गुजरात पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा पर्चा लीक होने के बाद रविवार को रद्द कर दी गई. परीक्षा शुरू होने से कुछ ही घंटे पहले यह फैसला लिया गया. अधिकारियों ने बताया कि करीब आठ लाख ७५ हजार उम्मीदवारों को अपराह्न तीन बजे शुरू होने वाली परीक्षा में बैठना था जो गुजरात के दो हजार ४४० केंद्रों पर आयोजित होनी थी. इस घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य के गृह विभाग को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिये हैं.

SC की तल्खी, 'वर्मा को रातोंरात क्यों हटाया'?

नई दिल्ली, सीबीआई में अफसरों के विवाद मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मोदी सरकार से कड़ाई से सवाल पूछे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से कहा है कि सीबीआई बनाम सीबीआई विवाद दो टॉप अफसरों के बीच की ऐसी लड़ाई नहीं थी जो रातोंरात सामने आई। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यह ऐसा मामला नहीं था कि सरकार को सिलेक्शन कमिटी से बातचीत किए बिना सीबीआई निदेशक की शक्तियों को तुरंत खत्म करने का फैसला लेना पड़ा। बता दें कि सीबीआई डायरेक्टर आलोक वर्मा से अधिकार वापस लेने और उन्हें छुट्टी पर भेजने के सरकार के फैसले के खिलाफ उनकी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई की। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की नेतृत्व वाली बेंच ने कहा कि केंद्र ने खुद माना है कि ऐसी स्थितियां पिछले ३ महीन से पैदा हो रही थीं। बेंच ने कहा कि अगर केंद्र सरकार ने सीबीआई डायरेक्टर की शक्तियों पर रोक लगाने से पहले चयन समिति की मंजूरी ले ली होती तो कानून का बेहतर पालन होता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार की कार्रवाई की भावना संस्थान के हित में होनी चाहिए

चीफ जस्टिस ने पूछा, कुछ महीने इंतजार कर लेते तो क्या हो जाता?

गुरुवार को सीबीआई विवाद की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के तेवर सख्त नजर आए। चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि सरकार ने २३ अक्टूबर को सीबीआई डायरेक्टर आलोक वर्मा की शक्तियां वापस लेने का फैसला रातोंरात क्यों लिया? चीफ जस्टिस ने पूछा, 'जब वर्मा कुछ महीनों में रिटायर होने वाले थे तो कुछ और महीनों का इंतजार और चयन समिति से परामर्श क्यों नहीं हुआ?' तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) इस निष्कर्ष पर पहुंचा था कि असाधारण स्थितियां पैदा हुईं। उन्होंने कहा कि असाधारण परिस्थितियों को कभी-कभी असाधारण उपचार की आवश्यकता होती है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, 'सीवीसी का आदेश निष्पक्ष था, दो वरिष्ठ अधिकारी लड़ रहे थे और अहम केसों को छोड़ एक दूसरे के खिलाफ मामलों की जांच कर रहे थे।' बता दें कि कि केंद्र सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि उसने सीबीआई डायरेक्टर आलोक वर्मा और स्पेशल डायरेक्टर राकेश अस्थाना के बीच इसलिए दखल दिया कि वे बिल्लियों की तरह लड़ रहे थे। केंद्र ने प्रमुख जांच एजेंसी की विश्वसनीयता और अखंडता को बहाल करने के लिए हस्तक्षेप किया। बुधवार को सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता केके वेणुगोपाल ने चीफ जस्टिस रंजन गोगोई, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस केएम जोसेफ की बेंच से कहा, 'सरकार आश्चर्यचकित थी कि दो शीर्ष अधिकारी क्या कर रहे हैं। वे बिल्लियों की तरह लड़ रहे थे।'

वर्मा की तरफ से सरकार के फैसले की वैधता पर उठे हैं सवाल

सीबीआई डायरेक्टर आलोक वर्मा से शक्तियां छीनने के फैसले का बचाव करते हुए वेणुगोपाल ने कहा था कि सरकार ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया है। बता दें कि सीनियर ऐडवोकेट फली एस. नरीमन, कपिल सिब्बल, दुष्यंत दवे और राजीव धवन ने २९ नवंबर को पिछली सुनवाई में वर्मा की शक्तियां छीनने के सरकार की कार्रवाई की कानूनी वैधता पर सवाल उठाया था।

अदालत ने तब कहा था कि वह सुनवाई इस पर सीमित करेगी कि क्या सरकार के पास बिना चयन समिति की सहमति के सीबीआई प्रमुख के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार है या नहीं। इस चयन समिति में प्रधानमंत्री, नेता विपक्ष और मुख्य न्यायाधीश शामिल होते हैं। नरीमन वर्मा की तरफ से उपस्थित हुए थे।

उत्तर भारतीयों के बीच बोले राज ठाकरे, महाराष्ट्र में नौकरियों पर पहला हक़ मराठियों का

नई दिल्ली : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे की राजनीति की शुरुआत उत्तर भारतीयों के विरोध से शुरू हुआ. लेकिन सियासत में आगे बढ़ने के लिए राज ठाकरे अब उत्तर भारतीयों को लुभाने की कोशिश कर रहे हैं. आज यानी रविवार को राज ठाकरे उत्तर भारतीय महा पंचायत के मंच पर आकर उत्तर भारतीयों को संबोधित कर रहे हैं. पहली बार हिंदी में सभा को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा कि हिंदी बहुत प्यारी भाषा है. लेकिन यह गलत है कि हिंदी राष्ट्र भाषा है. अभी तक राष्ट्रीय भाषा पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है. हिंदी भाषा की तरह, मराठी, तमिल, गुजराती है, ये सभी इस देश की भाषाएं हैं. उन्होंने कहा कि उत्तर भारतीयों को कुछ मेरी बातें समझनी है इसलिए हिंदी में भाषण दे रहा हूं. उन्होंने सवाल करते हए कहा कि इंटरस्टेट माइग्रेशन एक्ट किसी ने पढ़ा है. यह हम हवा में कहते हैं कि कोई भी कहीं भी जा सकता है रह सकता है. ऐसा नहीं है.

देश में जो घटनाएं हुई हैं हमें देखनी और समझनी चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है. ज्यादा लोगों के माइग्रेशन से स्थानीय को दिक्कत होती है. अगर कही हम जाते हैं तो वहां का मान रखना चाहिए. अगर हम विदेश जाते हैं तो वहां अंग्रेजी में बोलते हैं. महाराष्ट्र में जो हुआ उसका माहौल बनाया गया वो भी दिल्ली में बैठी मीडिया ने.

राज ठाकरे ने कहा कि आसाम में बिहारियों का कत्ल किया जा रहा है, क्या बड़ा आंदोलन हुआ. मीडिया के लोग उसपर बात नहीं करना चाहते हैं. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले गुजरात में बिहारियों को मारा गया और वहां से लोग निकलकर मुंबई आ गये. सवाल पीएम नरेंद्र मोदी से क्यों नहीं पूछते हैं? गुजरात में खबर दबाई गई. किसी ने ना तो मुख्यमंत्री से सवाल किया ना अमित शाह से और ना ही पीएम मोदी से.राज ठाकरे ने रेलवे एग्जाम में हुई घटना पर बोला कि भर्ती महाराष्ट्र के लिए था, लेकिन किसी भी न्यूज पेपर में विज्ञापन नहीं था, सब यूपी और बिहार के राज्यों में दिया गया. जिसके बाद माहौल बिगड़ा. लोगों ने कहा कि नौकरी पहले यहां के लोगों को मिलना चाहिए. यहां भी भाषा की वजह से गलतफहमी बढ़ी. क्योंकि हमारी भाषा उन्हें समझ नहीं आई.

इसके साथ ही राज ठाकरे ने रोजगार को लेकर कहा कि यदि महाराष्ट्र में रोजगार के मौके हैं तो क्या यह गलत है कि महाराष्ट्र के युवाओं को प्राथमिकता दी जाए? उन्होंने कहा कि यदि कल को उत्तर प्रदेश में कोई उद्योग स्थापित होता है तो वहां के युवाओं को रोजगार के लिए प्राथमिकता मिलनी चाहिए, यही बिहार में भी होना चाहिए, इसमें गलत क्या है?

राज ठाकरे ने सवाल करते हुए कहा कि आपको नहीं लगता कि आप बाहर जाते हैं तो जिल्लत की ज़िंदगी जीनी पड़ी है. आपलोगों का स्वाभिमान कहां चला जाता है? वहां के नेता काम नहीं करते हैं, उनसे सवाल क्यों नहीं करते हैं. ये तथाकथित उत्तरभारतीय नेताओं ने आग लगाई है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उत्तर भारत से रोजाना ४८ ट्रेनें आ रही हैं, वो भरकर आती हैं और यहां से खाली जाती हैं. ये समझना चाहिए की राज्य की कैपिसिटी कितनी है. इस शहर की जो हालत हुई है, स्कूल- कॉलेज में एडमिशन नहीं मिल रहे. फुटपाथ पर लोगों को चलने को नहीं मिल रहा. यह सब जनसंख्या बढ़ने के कारण हुआ है.

इतना ही नहीं राज ठाकरे ने क्राइम के लिए भी उत्तर भारतीय को जिम्मेदार ठहराया. उन्होंने कहा कि पुलिस से पूछिए उनकी ज्यादातर जांच यूपी-बिहार के आसपास चल रही है, क्योंकि ये क्राइम करते हैं और चले जाते हैं. १९९५ से पहले की मुंबई कुछ और थी और अब की कुछ और. यदि क्रिमिनल्स आ रहे हैं तो राज ठाकरे बर्दाश्त नहीं करेगा. इसके साथ ही राज ठाकरे ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधा. राज ठाकरे ने कहा कि नरेंद्र मोदी की भाषा बदल गयी, जब मुख्यमंत्री थे तब कुछ और थी प्रधानमंत्री बनने के बाद कुछ और ही बोलते हैं. पहले कहते थे कि केंद्र सरकार हमें कुछ नहीं दे हम उन्हें कुछ नहीं देंगे. अब कहते हैं कि हम राज्यों को कुछ नहीं देंगे और आपका भी ले लेंगे.

पुलिसकर्मी किन्नर के साथ बस के पीछे कर रहा था सेक्स, छात्रों ने पकड़ा और...

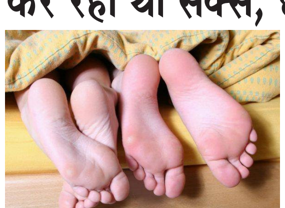

जाफर शेख

मुंबई : दक्षिण भारत के प्रमुख शहर चेन्नई में एक पुलिसकर्मी का किन्नर के साथ सेक्स करने का मामला सामने आया है. थोरइपक्कम पुलिस स्टेशन में तैनात एक सिपाही को किन्नर के साथ संबंध बनाने के लिए ट्रांसफर कर दिया गया है. शनिवार की रात पल्लीकरनाई इलाके में सिपाही बस के पीछे सेक्स कर रहा था तभी कुछ युवाओं ने उसे देख लिया और उसका वीडियो बना लिया. स्थानीय लोगों ने सिपाही सतीश सत्यराज का विरोध किया और उसके वाहन को भी नुकसान पहुंचाया.

सूत्रों के अनुसार स्थानीय लोग लंबे समय से यह शिकायत कर रहे थे कि कुछ किन्नर पल्लीवरम रेडिअल रोड पर रात के समय यात्रा कर रहे लोगों के साथ बदतमीजी करते हैं और पैसा वसूलते हैं. वहां रहने वाले लोगों ने ये इलजाम भी लगाया है कि इलाके में लूट की भी कई वारदातें हो चुकी हैं. कई बार पुलिस में शिकायत दर्ज करने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई.

पिछले शनिवार की रात कुछ युवकों ने देखा कि हेड कॉन्स्टेबल किन्नरों के साथ बातचीत कर रहे हैं. इसके बाद वह कथित रूप से एक किन्नर को बस के पीछे ले जाते हैं. युवकों ने इस पूरे घटनाक्रम का विडियो बना लिया. बहरहाल, पुलिस ने पुलिसकर्मी का ट्रान्सफर कर दिया है.

बीएमडब्ल्यू कार चालक के अभद्र व्यवहार पर हवलदार ने दर्ज कराई एफ.आई.आर.

पुणे : मिली जानकारी के अनूसार ०३/१२/२०१८ के दिन हडपसर वाहतूक विभाग के पो.शी.राजू नारायण निकम वाहतूक विभागसे अपने काम पे मोंढा वाय जंक्शन नाके पर तैनात थे सुबह०९.४० मिनिट पर बीएमडब्ल्यू कार नं.एम.एच.१२. एन.यु.०७०७ पर कार चालक चिराग राजेंद्र सावंत व बाजू की सीट पर बैठे जयराज बंगले भैरवनाथ मंदिर के पास से लापरवाही से गाडी चला रहे थे, जिससे आम जनता की जान को खतरा हो सकता था। वाहतूक पुलिस कर्मचारी पो.शी.राजू नारायण निकम जो वहा मौजूद थे उन्होंने हाथ के इशारे से कार चालक को कार रोकने कहा कार चालक चिराग राजेंद्र सावंत व बाजू की सीट पर बैठे जयराज बंगले ने बीएमडब्ल्यू कार नं.एम.एच.१२. एन.यु.०७०७ साइड में खड़ी की और वाहतूक पुलिस कर्मचारी पो.शी.राजू नारायण निकम को कहने लगे कि "क्या रे गाडी क्यों रोकी?" धक्का-मुक्की करने लगे। अश्लील शब्द कहे गाली दी - तू सरकारी मुलाज़िम है, तेरी औकात क्या है? तेरी पगार कितनी है? अपनी औकात में रह। सरकारी मुलाज़िम है तो ये सारी बाते कहकर वाहतूक पुलिस कर्मचारी पो.शी.राजू नारायण निकम को कहने लगे जिसका पूरा वीडियो पो.शी.राजू नारायण निकम ने बना लिया और मोंढा पुलिस स्टेशन में घटना की जानकारी दी. मोंढा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने वीडियो क्लिप को देखते हुए कार चालक चिराग राजेंद्र सावंत व जयराज बंगले पर गु.र.नं.३३३ / २०१८ भा.द.वि. कलम ३५३, ५०४,वाहतूक विभाग कायदा कलम १७९ के तहत मामला दर्ज कर कार चालक चिराग राजेंद्र सावंत व जयराज बंगले को गिरफ्तार कर मा.प्रथमवर्ग न्यायदंडाधिकारी, लष्कर न्यायलय, पुणे के न्यायलय में हाज़िर किया. मा. न्यायालय ने कार चालक चिराग राजेंद्र सावंत व जयराज बंगले को न्यायलयीन हिरासत दे कर न्यायिक हिरासत में येरवडा जेल भेज दिया। इस मामले की आगे की जांच मोंढा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरिक्षक. अनिल पात्रुड़कर के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरिक्षक.अमित वाडके कर रहे है.

वाहतूक पुलिस विभाग यहाँ इस खबर के माध्यम से आम जनता से ये निवेदन करता है कि पुलिस कर्मचारियों से भविष्य में बदतमीज़ी ना करें। पुलिस के काम में बाधा ना डालें. अगर आप से गलती हुई तो जुर्माना भरें,ना कि पुलिस को गाली दे और उनसे धक्का-मुक्की करे। ऐसा करने वाले व्यक्ति पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी!

बुलंदशहर: गोकशी को लेकर बवाल, इंस्पेक्टर की मौत

लखनऊ: उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर में कथित गोहत्या के शक में सोमवार को भारी बवाल हो गया. पत्थरबाजी से शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि इसमें एक पुलिस इंस्पेक्टर की मौत हो गई. प्रदर्शनकारियों ने पुलिस थाने पर हमला कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की. यही नहीं उन्होंने पुलिस की एक वैन में आग लगा दी. पूरा इलाका युद्ध के मैदान के रूप में बदल गया. बवाल के दौरान पुलिस पर फायरिंग की गई जिसमें स्याना के पुलिस इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह की मौत हो गई.

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यहां के स्याना नामक एक गांव के खेत में गोवंश मिलने नाराज लोगों ने विरोध पहले जाम लगाया, लेकिन जल्द ही यह जाम हिंसा में बदल गया. इसको लेकर पुलिस और भीड़ में संघर्ष हो गया. पुलिस ने गोहत?या के शक में प्रदर्शन कर रहे हजारों लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए गोली चला दी. इसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया. इसके बाद भीड़ ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया. इसके बाद बेकाबू हुई भीड़ ने चौकी के अंदर जमकर तोड़फोड़ की. प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की एक वैन और कई वाहनों को आ लगा दिया. इसी दौरान भीड़ की ओर से जमकर पत्थरबाजी की. इसी बीच किसी ने भीड़ की ओर से फायरिंग कर दिया जिसमें पुलिस इंस्पेक्टर सुबोध कुमार सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और बाद में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

बेटे ने तीन बार की मां को मारने की कोशिश, गला काटकर उतारा मौत के घाट

मुंबई : महाराष्ट्र के दहीशर में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक ५३ वर्षीय बेटे के अपनी ८० वर्षीय मां की हत्या कर दी। आरोपी ने मां को मारने के लिए एक ही रात में एक के बाद एक तीन प्रयास किए और तीसरी बार में वृद्ध महिला को मौत के घाट उतार दिया। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

आरोपी की पहचान योगेश शिनॉय के रूप में हुई है। पहले आरोपी ने अपनी मां ललिता को नींद की गोलियों का ओवरडोज दिया और गला दबाने का प्रयास किया। जब ऐसा करने पर महिला की मौत नहीं हुई तो आरोपी ने अपने हाथ से अपनी मां का गला काट दिया। रिपोर्ट्स के अनुसार शख्स की कई बातों को लेकर अपनी मां के साथ लड़ाई होती रहती थी। हाल ही में मां के बढ़ते मेडिकल बिल को लेकर भी दोनों में बहस हुई थी।

योगेश का शादीशुदा जीवन भी असफल रहा और उसकी पत्नी ने उसे साल २०११ में छोड़ दिया। १०वीं पास योगेश एक प्राइवेट फर्म के साथ काम कर रहा था। बुधवार को मां से कहासुनी होने के बाद योगेश ने हत्या की साजिश रचनी शुरु कर दी। वह दो पैकेट नींद की गोलियां लाया और उन्हें पीसकर दूध में मिला दिया। नींद की गोलियों वाला दूध आरोपी ने अपनी मां को दिया।

इसके बाद शख्स ने कुछ देर इंतजार किया और मां की सांस की जांच की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने तकिया से महिला की सांस रोकने की कोशिश की लेकिन इसके बाद भी महिला ने जूझते हुए किसी तरह अपनी जान बचाई। रात २.३० बजे आरोपी ने एक बार फिर मां की हत्या करने की कोशिश की।

इस बार योगेश ने पेपर कटर से अपनी मां का गला काट दिया और सोने के लिए चला गया। पड़ोसियों ने पुलिस को बताया कि रात को शिनॉय के घर से जूझने और चिल्लाने की आवाजें आ रही थीं। जब पुलिस सुबह ९.३० बजे घर पर पहुंची तो उन्हें ललिता का खून से लथपथ शव मिला। पुलिस ने योगेश को गिरफ्तार कर लिया है और भारतीय दंड संहिता की धाराओं के तहत उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक - असगर अमीन शाह द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 3-4 अमीन इंड. इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नं.2, जवाहर नगर फाटक ब्रिज के पास, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063 से मुद्रित कर रुम नं. जी-16, अमीन पारसी चाल, एस. वी. रोड, जोगेश्वरी (पश्चिम), मुंबई-400102 से प्रकाशित संपादक-असगर अमीन शाह